[श्री निर्मल कुमार शक्तावत]

के उद्योग के लिए चित्तौड़गढ़ का चयन करे जिस से यहां के गरीब आदिवासियों को कुछ रोजगार मिल सके।

(ii) RE PROTECTION OF HINDU RELIGIOUS PLACES IN PAKISTAN AND PERMISSION FOR VISITORS TO GO THERE.

श्री मनीराम बागड़ी (हिसार) : भारत के एतिहासिक और धार्मिक स्थान पाक और बंगलादेश में हैं और इसी तरह पाक और बंगला देश और दुनियां के दूसरे मुल्कों के धार्मिक और ऐतिहासिक स्थान भारत में हैं। दुनियां के कायदे के अनुसार धार्मिक आस्था के नर-नारी वहां आ-जा सकते हैं और उनको आने-जाने की सुविधा हर मुल्क देता है। मुझे बड़ा आश्चर्य है कि होली का त्यौहार भारत का राष्ट्रीय त्यौहार है। होलिका का दहन जहां से होली का त्यौहार चलता है वह पाकिस्तान में जिला स्यालकोट में है जहां नरसिंह भगवान का मंदिर और प्रह्लाद भक्त का जन्मस्थान है। सीता कुंज राम चबूतरा, लक्ष्मण चबूतरा इसी तरह से महाभारत काल का यक्ष सरोवर जहां पर पांचों पांडव यक्ष द्वारा मारे गए और फिर जन्म हुआ। यह यक्ष सरोवर भी है जहां बहुत से यात्री लोग वहां जाना चाहते हैं। आगाशाही से बातचीत भी हुई। एक बार मजूरी भी दी थी, लेकिन फिर न मालूम क्यों अपनी धार्मिक आस्था के मुताबिक यात्रियों को वहां जाने की अनुमति नहीं है। उन धर्म स्थलों की रक्षा भारत सरकार करे या फ़िर पाकिस्तान सरकार करे। उन धार्मिक स्थलों पर जाने के लिए पाकिस्तान सरकार से बातचीत करने की अनुमति दिलवायी जाए और भारत सरकार यह जांच करे कि जो-जो दिन उन तीर्थ स्थलों के उत्सब के दिन हैं उन दिनों में उन तीर्थ स्थलों की यात्रा का प्रबन्ध करें। मैं आशा रखता हूं का सरकार इस बारे में उपाय करेगी जिससे दोनों मुल्कों की जनता मिलेगी और इससे हित भी होगा और संबंध टूटेगा नहीं बल्कि बनेगा।

(iii) NEED FOR CONSTITUTIONAL AMENDMENT BILL FOR INCLUSION OF 13 TRIBES UNDER THE TRIBAL LISTS OF UTTAR PRADESH.

(SHRI RAM PYARE PANIKA (Robertsganj): The tribals of Uttar Prodesh have not been recognised by the Centre in spite of repeated requests by the State Government. Actually, a Bill was introduced in 1967 and again in 1976 for inclusion of the tribals living in Uttar Pradesh but, somehow or other, they cannot be included, The result is that tribals of Uttar Pradesh are lagging behind to other tribals in other States. Even this year, the State Government have again recommended for the inclusion of 13 tribes and have requested the Centre for early recognition of the tribals.

Due to non-recognition of these tribals, the social, economic and educational development is not being undertaken for these communities. I, therefore, draw the attention of the Home Minister to bring a comprehensive Constitution Amendment Bill for recognition of the tribals. It will not be out of place to mention that on 1967, five tribes living in hilly areas of Uttar Pradesh were recognised by special notifications but that could not be done twice. The only way of recognising them is to bring the Constitution at Amendment Bill by the centre.

(iv) PROBLEMS FACED BY BEEDI WORKERS OF GHAZIPUR DISTRICT OF UTTAR PRADESH.

श्री जैनुल बशर (गाजीपुर) : उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में बीड़ी मजदूर गम्भीर समस्याओं से गुजर रहे हैं। बीड़ी के कारखानों के मालिक श्रम कानूनों का खुल्लम खुल्ला उल्लंघन कर रहे हैं। कानून के मुताबिक वे लोग लेबर रजिस्टर मैंटेन नहीं करते। मजदूरों को निर्धारित मजदूरी नहीं देते। अपनी मर्जी के मुताबिक निकालते और रखते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि वहां पर